**2** डाक व्यवस्था के सुधार के साथ पत्रों को सही दिशा देने के लिए विशेष प्रयास किए गए। पत्र संस्कृति विकसित करने के लिए स्कूली पाठ्यक्रमों में पत्र लेखन का विषय भी शामिल किया गया। भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों में ये प्रयास चले और विश्व डाक संघ ने अपनी ओर से भी काफ़ी प्रयास किए। विश्व डाक संघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयु-वर्ग के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का सिलसिला सन् 1972 से शुरू किया गया। यह सही है कि खास तौर पर बड़े शहरों और महानगरों में संचार साधनों के तेज़ विकास तथा अन्य कारणों से पत्रों की आवाजाही प्रभावित हुई है पर देहाती दुनिया आज भी चिट्ठियों से ही चल रही है। फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ने चिट्ठियों की तेज़ी को रोका है पर व्यापारिक डाक की संख्या लगातार बढ़ रही है। *(पृष्ठ 24)*

### बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

1. *डाक व्यवस्था के सुधार के साथ पत्रों को सही दिशा देने का प्रयास क्यों किया गया है?*
   (क) ताकि पत्र नए तरीके से लिखे जाएँ।
   (ख) ताकि पत्रों का नया रूप लोगों के समक्ष आए।
   (ग) ताकि पत्र लिखने की विधा नए संचार साधनों में समाप्त न हो जाए।
   (घ) ताकि लोग पत्र लिखना भूल न जाएँ।
2. *पत्र संस्कृति के विकास हेतु क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?*
   (क) पत्रों के आकार में परिवर्तन किया गया है।

Class VIII B



(ख) पत्रों को पहुँचाने का माध्यम समयानुसार बदला जाता है।
(ग) इन्हें स्कूली पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है साथ ही विश्व डाक संघ इसे बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कदम उठाता है।
(घ) उपर्युक्त सभी।

3. *देहाती दुनिया आज भी पत्रों पर क्यों चलती है?*
(क) क्योंकि वे लोग नवीनीकरण नहीं चाहते। (ख) क्योंकि वे नवीन साधनों से परिचित नहीं।
(ग) क्योंकि नवीन साधन उन तक पहुँचे नहीं। (घ) क्योंकि वे शहरों से कटे हुए हैं।

4. *चिट्ठियों की तेजी को किसने रोका है?*
(क) नवीन संचार साधनों ने (ई मेल, फैक्स, टेलीफोन व मोबाइल आदि)
(ख) सरकार ने
(ग) विदेशी सभ्यता ने
(घ) लोगों की सोच ने

5. *किस क्षेत्र में डाक चिट्ठियों का चलन सबसे अधिक है?*
(क) राजनैतिक क्षेत्र में (ख) व्यापारिक क्षेत्र में (ग) सामाजिक क्षेत्र में (घ) धार्मिक क्षेत्र में

**उत्तर–** 1. (ग) 2. (ग) 3. (ग) 4. (क) 5. (ख)

**3** जहाँ तक पत्रों का सवाल है, अगर आप बारीकी से उसकी तह में जाएँ तो आपको ऐसा कोई नहीं मिलेगा जिसने कभी किसी को पत्र न लिखा या न लिखाया हो या पत्रों का बेसब्री से जिसने इंतजार न किया हो। हमारे सैनिक तो पत्रों का जिस उत्सुकता से इंतजार करते हैं, उसकी कोई मिसाल ही नहीं। एक दौर था जब लोग पत्रों का महीनों इंतजार करते थे पर अब वह बात नहीं। परिवहन साधनों के विकास ने दूरी बहुत घटा दी है। पहले लोगों के लिए संचार का इकलौता साधन चिट्ठी ही थी पर आज और भी साधन विकसित हो चुके हैं। *(पृष्ठ 25)*

## *बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर*

1. *सभी के मन में पत्रों की उत्सुकता क्यों बनी रहती है?*
(क) क्योंकि हर कोई कुछ नया पढ़ना चाहता है।
(ख) क्योंकि हर कोई डाक संचार के साधनों से परिचित होना चाहता है।
(ग) क्योंकि हर कोई अपने रिश्ते-नातों के सुख-दुख के संदेश पाना चाहता है।
(घ) इनमें से कोई नहीं।

2. *सैनिक पत्रों का इंतजार क्यों करते हैं?*
(क) ताकि वे पत्र को बार-बार पढ़कर मन बहला सके।
(ख) क्योंकि घर का समाचार पाने हेतु कई इलाकों में फोन या ई-मेल की सुविधा नहीं है।
(ग) घर के सभी समाचारों की जानकारी विस्तृत रूप में ले सके।
(घ) उपर्युक्त सभी।

3. *अब पत्रों का इंतजार महीनों क्यों नहीं करना पड़ता?*
(क) संचार के साधन अधिक होने के कारण। (ख) यातायात के साधन सुलभ व तेज होने के कारण।
(ग) पत्रों का प्रचलन कम होने के कारण। (घ) डाकियों की संख्या बढ़ जाने के कारण।

4. *आज संचार के कौन-कौन से साधन विकसित हो चुके हैं?*
(क) फोन, ई-मेल, फैक्स, मोबाइल (ख) फोन, टी.वी, फैक्स, मोबाइल
(ग) फोन, ई-मेल, कंप्यूटर, फैक्स (घ) फोन, ई-मेल, समाचार-पत्र, फैक्स

5. *संचार का स्थायी साधन कौन-सा है?*
(क) एस.एम.एस. (ख) फैक्स (ग) पत्र (घ) ई-मेल

**उत्तर–** 1. (ग) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (ग)

**4** महात्मा गांधी के पास दुनिया भर से तमाम पत्र केवल महात्मा गांधी-इंडिया लिखे आते थे और वे जहाँ भी रहते थे वहाँ तक पहुँच जाते थे। आज़ादी के आंदोलन की कई अन्य दिग्गज हस्तियों के साथ भी ऐसा ही था। गांधीजी के पास देश-दुनिया से बड़ी संख्या में पत्र पहुँचते थे पर पत्रों का जवाब देने के मामले में उनका कोई जोड़ नहीं था। कहा जाता है

VIII B



42

कि जैसे ही उन्हें पत्र मिलता था, उसी समय वे उसका जवाब भी लिख देते थे। अपने हाथों से ही ज़्यादातर पत्रों का जवाब देते थे। जब लिखते-लिखते उनका दाहिना हाथ दर्द करने लगता था तो वे बाएँ हाथ से लिखने में जुट जाते थे। महात्मा गांधी ही नहीं आंदोलन के तमाम नायकों के पत्र गाँव-गाँव में मिल जाते हैं। पत्र भेजनेवाले लोग उन पत्रों को किसी प्रशस्तिपत्र से कम नहीं मानते हैं। **[Imp.]** *(पृष्ठ 25-26)*

***बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर***

1. *महात्मा गाँधी को पत्र किस नाम से आते थे?*
   (क) 'महात्मा' (ख) 'महात्मा गाँधी'
   (ग) 'करम चंद गाँधी' (घ) 'महात्मा गाँधी-इंडिया'
2. *गाँधीजी पत्रों का जवाब कैसे देते थे?*
   (क) अपने कार्यकर्ताओं से लिखवाकर (ख) अपने हाथ से लिखकर
   (ग) टंकन (टाइप) विधि द्वारा (घ) फोन पर
3. *गाँधीजी द्वारा लिखे पत्रों को लोग प्रशस्ति पत्र क्यों मानते थे?*
   (क) क्योंकि उन्हें गाँधीजी के हाथ से लिखे पत्रों को पढ़कर संतुष्टि मिलती थी।
   (ख) क्योंकि वे गाँधीजी के प्रेम को समझ पाते थे।
   (ग) क्योंकि उन पत्रों में गाँधीजी उनकी प्रशंसा करते थे।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।
4. *लोग गाँधीजी के पत्रों को फ्रेम करवाकर क्यों रखते थे?*
   (क) क्योंकि वे चाहते थे कि पत्र कभी खराब न हो। (ख) एक यादगार के रूप में
   (ग) क्योंकि वे उन्हें अमूल्य मानते थे। (घ) दूसरे लोगों को दिखाने के लिए।
5. *लिखित कार्य करने में गाँधीजी की क्या विशेषता थी?*
   (क) वे बहुत गंदा लिखते थे।
   (ख) वे जब दाएँ हाथ से लिखते-लिखते थक जाते तो बाएँ हाथ से लिखने लगते।
   (ग) वे बहुत साफ़ और स्पष्ट लिखते थे।
   (घ) वे लोगों की इच्छानुसार लिखते थे।

**उत्तर–** 1. (घ) 2. (ख) 3. (क) 4. (ग) 5. (ख)

☞ 5 तमाम सरकारी विभागों की तुलना में सबसे ज़्यादा गुडविल डाक विभाग की ही है। इसकी एक खास वजह यह भी है कि यह लोगों को जोड़ने का काम करता है। घर-घर तक इसकी पहुँच है। संचार के तमाम उन्नत साधनों के बाद भी चिट्ठी-पत्री की हैसियत बरकरार है। शहरी इलाकों में आलीशान हवेलियाँ हों या फिर झोपड़पट्टियों में रह रहे लोग, दुर्गम जंगलों से घिरे गाँव हों या फिर बर्फबारी के बीच जी रहे पहाड़ों के लोग, समुद्र तट पर रह रहे मछुआरे हों या फिर रेगिस्तान की ढाँणियों में रह रहे लोग, आज भी खतों का ही सबसे अधिक बेसब्री से इंतजार होता है। एक दो नहीं, करोड़ों लोग खतों और अन्य सेवाओं के लिए रोज भारतीय डाकघरों के दरवाज़ों तक पहुँचते हैं और इसकी बहु आयामी भूमिका नज़र आ रही है। दूर देहात में लाखों गरीब घरों में चूल्हे मनीआर्डर अर्थव्यवस्था से ही जलते हैं। गाँवों या गरीब बस्तियों में चिट्ठी या मनीआर्डर लेकर पहुँचनेवाला डाकिया देवदूत के रूप में देखा जाता है। **[Imp.]** *(पृष्ठ 26-27)*

***बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर***

1. *सरकारी विभागों में सबसे ज़्यादा गुडविल (साख) किस विभाग की है?*
   (क) कर विभाग की (ख) डाक विभाग की
   (ग) पूछताछ विभाग की (घ) इनमें से कोई नहीं।
2. *डाक विभाग की क्या विशेषता है?*
   (क) लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं। (ख) घर-घर तक इसकी पहुँच है।
   (ग) हर व्यक्ति इस संचार साधन से परिचित है। (घ) दिए गए सभी।
3. *मनीआर्डर क्या होता है?*
   (क) धन का आर्डर करना

चिट्ठियों का अनूठा दु...

(ख) किसी स्थान से धन पा जाना

(ग) डाकघर द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर डाकिए द्वारा धन भेजना

(घ) धन देकर पत्र छुड़ाना।

4. डाकिए का क्या नाम दिया जाता है?

(क) संदेशवाहक (ख) देवदूत (ग) देवव्रत (घ) अन्य

5. डाकिए को देवदूत मानने का कारण क्या है?

(क) क्योंकि वह लोगों के लिए अच्छे-अच्छे तोहफे लाता है।

(ख) क्योंकि वह ईश्वर के दूत की भाँति अच्छे-बुरे संदेश लाता है।

(ग) क्योंकि वह स्वर्गलोक से आता है।

(घ) क्योंकि वह दुख का समाचार देने से भी नहीं कतराता।